Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana in Bihar-laid.

श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा): मैं सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र दरभंगा सहित पूरे बिहार राज्य की प्रमुख समस्या की ओर आकृष्ट कराना चाहूंगा ।

विदित हो कि राज्य में लगभग एक लाख सत्तर हजार किमी लंबाई के ग्रामीण पथ है, जिसमें से लगभग एक लाख किमी लंबाई पथ का निर्माण किया जा चुका है । जबकि पीएमजीएसवाई -3 के अन्तर्गत राज्य में मात्र 6162.50 किमी लंबाई पथ के उन्नयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो बिहार जैसे सघन बसावट वाले राज्य के लिए काफी कम है ।

राज्य को पीएमजीएसवाई -1 के तहत वर्ष - 2007-08, 2008-09, 2009-10, एवं 2010-11 में ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पथों को स्वीकृति दी गई थी, परंतु समय पर आवंटन निर्गत नहीं होने के कारण इन स्वीकृत पथों के निर्माण प्रारंभ एवं पूर्ण होने में कई वर्ष लग गए । जबकि पीएमजीएसवाई -3 के दिशा निर्देश अनुसार CUCPL में पथों के design life दस वर्ष पूर्ण करने वाले पथों के ही चयन का प्रावधान है । ऐसे में पूर्व के वर्ष में स्वीकृत पथ के वास्तविक रूप से design life पूर्ण होने के बावजूद तकनीकी कारणों से इन पथों को वर्तमान में CUCPL में सम्मिलित नहीं किया जा सका है, जिस कारण कई महत्वपूर्ण पथ उन्नयन प्रस्ताव में शामिल होने से वंचित है ।

बिहार राज्य की भौगोलिक स्थिति से आप अवगत है । यहां प्रत्येक वर्ष लोगों को बाढ़ जैसे प्रचंड विभीषिका का सामना पड़ता है खासकर मिथिला क्षेत्र में । यहां प्रत्येक वर्ष बाढ़ के कारण अनेकों पथ क्षतिग्रस्त होते है और पुल के अभाव में निर्मित embankment पूर्णतः आरपार कट जा रहा है । फलस्वरूप नए पुलों की आवश्यकता होती जा रही है ।

अनुरोध है कि दरभंगा सहित बिहार में पीएमजीएसवाई अन्तर्गत स्वीकृत पथों में आवश्यकता अनुसार पुलों के स्वीकृति हेतु राज्य से प्राप्त प्रस्ताव को स्वीकृत करने एवं राज्य के लिए वर्ष 2007-08 से 2010-11 में स्वीकृत पथों के लिए design life की गणना स्वीकृत वर्षों के आधार पर करने की कृपा की जाय ।